समझ के पार

सादगी में जो सुंदरता है ,
वह साझ में नहीं हो सकती ;
इसलिए हर कविता का ,
कभी गीत नहीं बन सकता ...

जानकर अनजान बनने में ,
सिर्फ अहंकार नहीं होता ;
रिश्ते की गहराई में छिपा ,
राझ वरना नहीं दिखता ...

नजरे झुकना और चुराने में ,
हरदम घबराहट नहीं होती
बेजुबान प्यार जताने का ,
इससे अच्छा तरीका नहीं होता ...

बिना वजह बात करना,
हमेशा मूर्खता नहीं होती
इसके बिना दिल दिमाग को,
अच्छे बुरे की पहचान नहीं होती...